जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,भीमताल,नैनीताल

माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवम परामर्श हेतु संचालित बाल सखा कार्यक्रम को प्रभावी बनाने में संस्थाध्यक्ष का नेतृत्व –उत्तराखंड के संदर्भ में ।

विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम

निर्देषन एंव संरक्षण :– प्राचार्य डायट भीमताल नैनीताल

उत्तराखण्ड राज्य

Visionary Uttarakhand

लेखनः– श्रीमती कुसुमलता वर्मा प्रवक्ता डायट भीमताल	लेखनः– श्री कार्तिक षर्मा प्रवक्ता अ0उ0 ली0प0रा0इ0का0 भीमताल	मार्गदर्षक :– श्री हेमन्त कुमार पाण्डे स0अ0 रा0उ0प्रा0वि0 षिमायल	समन्वयन – श्री संतोष जोषी स0अ0 रा0प्रा0वि0 सूर्यागांव भीमताल

शीर्षक – माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवम परामर्श हेतु संचालित बाल सखा कार्यक्रम को प्रभावी बनाने में संस्थाध्यक्ष का नेतृत्व–उत्तराखंड के संदर्भ में ।

मॉड्यूल का क्षेत्र – विद्यार्थियों को वैयक्तिक, शैक्षिक एवं करियर मार्गदर्शन ।

मॉड्यूल का उद्देश्यः

1. छात्र–छात्रा अपनी क्षमताओं के अनुरूप विकसित होने का अवसर प्राप्त कर सकेंगें।
2. छात्र–छात्राओं में समुचित जीवन कौशलों का विकास होगा ।
3. छात्र–छात्राएं विद्यालय एवं भावी जीवन की चुनौतियों का सामना व समाधान करने में स्वयं सक्षम होंगे।
4. छात्र–छात्राओं में आजीविका /रोजगार संबंधी जागरूकता का विकास होगा।
5. छात्र–छात्राओं को योग्य , उत्तम एवम उत्पादन नागरिकों के रूप में विकसित होने के अवसर प्राप्त होंगे।

प्रस्तावना – समय परिवर्तनशील है। मानव ने विज्ञान, तकनीकी, कृषि, व्यापार, चिकित्सा, खेल आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। निरूसंदेह यह प्रगति शिक्षा के क्षेत्र में परिलक्षित हैं। वर्तमान में छात्रों के सामने विभिन्न प्रकार की चुनौतियां एवं मुद्दे है, जिनका समाधान सहयोगात्मक वातावरण में किया जाता है। आवश्यक है कि इन चुनौतियों में प्रमुख है– माता–पिता की आशाएं एवं महत्वकांक्षाये शिक्षकों की अपेक्षाएं, सहपाठियों का आदि। इन चुनौतियों, मुद्दों से बच्चों के सपने कही अदृश्य हो जाते हैं। इसके साथ–साथ सूचना एवं प्रसार प्रौद्योगिकी के तहत मोबाइल, टीवी, इंटरनेट जैसी सेवाएं सुविधाओं के साथ एक संतुलन बनाए रखना वर्तमान समय की आवश्यकता है, तभी प्रगति की ओर बढ़ा जा सकता है। इन चुनौतियों के साथ बच्चें द्वारा समुचित संतुलन न बना पाना उसमे तनाव का कारण बन रहा है विभिन्न शिक्षा आयोगों मुदालियर से लेकर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 समग्र शिक्षा अभियान व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवाओं को विद्यालयी स्तर पर सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया है।

https://ncert.nic.in/pdf/nc-framework/hindi.pdf
https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_HINDI_0.pdf

इस दिशा में सतत चिंतनशील एवं प्रयासरत रहते हुए एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड द्वारा बालसखा **(मार्गदर्शन एवं परामर्श)** कार्यक्रम वर्ष 2017– 18 में आरंभ किया गया। इस कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड राज्य के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में एक बालसखा प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ का गठन इस उद्देश्य के साथ किया गया है कि बच्चों को उनकी रुचि, प्रतिभा, क्षमता योग्यता के अनुरूप विकसित होने के साथ साथ उन्हें व्यवसाय चयन में समुचित सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। यह प्रकोष्ठ बच्चों को न केवल उनकी शिक्षा से संबंधित सवालों का उत्तर देगा, बल्कि उन्हें अपने दिल के हर सवाल के डर को, शंका को बेझिझक कह सकेगा व स्वयं अपने सवालों का समाधान करने का कौशल विकसित कर सकेगा। इस हेतु विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों यथा कक्षा वार्ता, करियर वार्ता, समूह चर्चा का संचालन भी किया जाना है। विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन दिए जाने हेतु **जिज्ञासा "आप पूछें हम बताएं"**।

https://scert.uk.gov.in/files/Jigyasa.......aap_pooche_hum_bataye_2021.pdf

मार्गदर्शिका का विकास किया भी गया जिसे एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड की वेबसाइट www.scert.uk.gov.in के अंतर्गत दिए गए career guidance and counseling लिंक में अपलोड किया गया।

https://scert.uk.gov.in/pages/display/65-career-counselling-and-guidance

बाल सखा की संकल्पना –

बाल सखा किसके लिए ? क्यों? कहां? कैसे ? किसके द्वारा ?

किसके लिए ?	क्यों?	कहां?	कैसे ?	किसके द्वारा ?
विद्यार्थी	• विद्यार्थी के व्यैक्तिक शैक्षिक करियर मार्गदर्शन व निर्देशन हेतु। • सर्वांगीण विकास हेतु। • जीवन कौशल विकास हेतु • विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की	विद्यालय स्तर पर	• कक्षा वार्ता • करियर वार्ता • जीवन कौशल विकास कार्यशाला • अभ्यास परीक्षण	• शिक्षक द्वारा • मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता द्वारा • अतिथि वक्ता द्वारा

	तैयारी हेतु।			
शिक्षक	शिक्षकों को उन क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने हेतु जो छात्रों के जीवन की समस्याओं से जुड़े हो।	विद्यालय स्तर पर	विभिन्न कार्यशालाओं व प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन द्वारा निर्देशन एवम परामर्श	
अभिभावक	• विद्यार्थियों की प्रगति के संदर्भ में अवगत कराना • बच्चों को सीखने सिखाने की प्रक्रिया में सहयोग करना।	विद्यालय स्तर पर परिवार व समाज	पी.टी.ए./एम.टी.ए./एस.एम.सी की बैठकों के माध्यम से अभिभावकों से सीधे संवाद के माध्यम से निर्देशन	

कैसी सहायता ?

मार्ग दर्षन के क्षेत्र	विवरण
व्यैक्तिक मार्गदर्षन एवं परामर्ष	छात्र–छात्राओं में अपनी व्यक्तिगत समस्याओं हीन भावना, आत्मविश्वास की कमी, गुस्सा आना, भूलना, अकेलापन जैसी कई समस्याओं की पहचान व हल करने की क्षमता का विकास। जीवन जीने का कौशल जैसे सकारात्मक सोच, प्रभावी संप्रेषण, निर्णय लेना समस्या समाधान, स्वजागरूक्ता जैसे कौशलों का विकास करना। छात्र–छात्राओं को योग्य उत्तम एवं उत्पादक नागरिकों के रूप में विकसित होने के अवसर प्रदान करना।

सैक्षिक मार्गदर्षन एवं परामर्ष	अपनी पढ़ाई लिखाई से संबंधित समस्याओं जैसे विषय चयन, ध्यान न लगना, विषय समझ न आना, पढ़ा हुआ भी भूल जना परीक्षा में तनाव घबराहट या किसी समस्या का हल ढूंढ सकने की क्षमता विकसित करना।
करियर मार्गदर्षन एवं परामर्ष	भावी जीवन में किस व्यवसाय का चयन कर करियर का निर्माण करें उस रास्ते की सूचना व उस क्षेत्र को स्वंय चुनने की क्षमता का विकास करना।

व्यैक्तिक सैक्षिक करियर मार्गदर्षन एवं परामर्ष :–

https://www.youtube.com/watch?v=QHQJyk0KtTo

https://www.youtube.com/watch?v=R0ix5AK-lc8

विद्यालय स्तर पर प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक द्वारा बाल सखा प्रकोष्ठ का गठन :–

- विद्यालय स्तर पर बाल सखा प्रकोष्ठ को गठित करने व समस्त मार्गदर्शन एवम परामर्श संबंधी गतिविधियों को संचालित करने का उत्तरदायित्व प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक का होगा ।
- संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रधानाचार्य विद्यालय स्तर पर इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी होंगे जो अपने विद्यालय में *बाल सखा प्रकोष्ठ* का गठन करेंगे अपने विद्यालय से दो शिक्षकों को इस कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में नामित करेंगे । साथ ही यह सुनिश्चित करेंगे कि इस प्रकोष्ठ द्वारा गतिविधियों (वार्षिक गतिविधि कैलेंडर संलग्न) का संचालन नियमित रूप से हो ।
- विद्यालय स्तर पर बाल सखा प्रकोष्ठ के प्रभारी शिक्षकों को दिशा निर्देश एवम सहयोग करना ।
- बाल सखा प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों को विद्यालय में संचालित करना सुनिश्चित करना ।

विद्यालय मे सूचनापटट पर प्रवेष/नौकरी सम्बन्धित नवीन जानकारी छात्रो को दी जा सकती है..

बाल सखा कार्यक्रम संचालित होने के बाद नैनीताल जिले के कुछ विद्यालयों की केस स्टडी–

केस स्टडी – 01

डायट भीमताल (नैनीताल) में बाल सखा प्रकोष्ठ के समन्वयक के रूप में कार्य करने के कारण मुझे नैनीताल जिले के दूरस्थ विकास खंड धारी के रा.इ.का. गुनियालेख में अनुश्रवण हेतु जाने का अवसर प्राप्त हुआ । जून 2019 में मैं जब विद्यालय पहुंची तो मैंने कक्षा 10 से 12 तक के विद्यार्थियों ''मार्गदर्शन एवम परामर्श'' कार्यक्रम की जानकारी दी। इसी बीच मुझे शिक्षकों द्वारा ज्ञात हुआ कि कक्षा 11 के दो छात्र विगत एक माह से यह निर्णय नहीं कर पा रहे है कि किस वर्ग को चुनना चाहिए वे कभी विज्ञान व कभी कला वर्ग में बैठ रहे है । मैंने उन छात्रों को अपने पास बुलाया और उन्हें विषय/वर्ग चयन पर परामर्श दिया। बहुत परामर्श (Counseling) करने के पश्चात विद्यार्थी अपने विषय चयन के निर्णय पर पहुंचे । लगभग एक माह बीत जाने के बाद मेरे द्वारा विद्यालय से पता करने पर ज्ञात हुआ कि अब वे लगातार एक ही कक्षा में बैठ रहे है ।

आपके विचार में –

1– आपके अनुसार विद्यार्थी विषय चयन में सही निर्णय क्यों नही ले पाते है ?

....

....

....

2– आपके विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ ऐसा होने पर आप क्या करेंगे ?

....

....

....

विकासखंड धारी के रा.इ.का. गुनियालेख में अनुश्रवण करते हुए

केस स्टडी– 02

नैनीताल जनपद के अत्यंत दुर्गम विकासखंड बेतालघाट के रा.इ.का. बेतालघाट की यह केस स्टडी है । विद्यालय की कक्षा 12 की छात्रा बहुत समय से विद्यालय नहीं आ रही और यदि आ भी रही है तो काफी गुपचुप कक्षा में बैठ रही है कक्षा के अन्य छात्रों से भी बात नही कर रही है । समस्त शिक्षिकाओं ने छात्रा के बदले हुए व्यवहार के संबंध में आपस में बात की छात्रा से वार्ता करने पर पता चला कि विद्यालय आने वाले रास्ते में छात्रा को अन्य विद्यालय के छात्र परेशान कर रहे है गंदी टिप्पणी कर रहे है अन्य नंबर से भी परेशान कर रहे है इस कारण से छात्रा मानसिक रूप से बहुत परेशान है एवं पढ़ाई में भी मन नहीं लगा पा रही है ।

छात्रा को समझाया गया कि इसमें उसकी कोई गलती नही है वो परेशान न हो उसे समझाया गया कि इस इस प्रकरण के संबंध में वह अपने परिवार के सदस्यों से खुलकर बात करे। छात्रा के परिवार के सदस्यों से कक्षाध्यापिका एवं बाल सखा प्रभारी द्वारा चर्चा की गई । संबंधित छात्रों के विद्यालय में उनके प्रधानाचार्य को इस प्रकरण के संबंध में जानकारी दी गई उस विद्यालय के बाल सखा प्रभारी शिक्षकों द्वारा उन छात्रों को परामर्श (Counseling) दिया गया तथा चेतावनी दी गई कि इस प्रकार के कार्य न करें वरना पुलिस को सूचित किया जाएगा । छात्रों को फोन के उचित उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई । ऑनलाइन क्राइम व उसमे मिलने वाली सजा के बारे में जानकारी दी गई। छात्रा के व्यवहार पर निरंतर ध्यान दिया गया प्रेरणादायक कहानी सुनाई गई इस प्रकार कक्षा 12 की छात्रा पूजा (काल्पनिक नाम) की समस्या का समाधान किया गया ।

आपके विचार में –

1– क्या आपको कभी अपने विद्यालय में इस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा?

....

....

....

2– आप अपने विद्यालय में ऐसी समस्या आने पर क्या करेंगे ?

....

....

....

विकासखंड बेतालघाट के रा.इ.का. बेतालघाट मे अनुश्रवण

केस स्टडी– 03

नैनीताल जिले के हल्द्वानी विकासखंड में हल्द्वानी से 06 किमी की दूरी पर रा.बा.इ.का.धौलाखेड़ा स्थित है । यह विद्यालय बरेली रोड मार्ग पर स्थित है द्य यहाँ पर लगभग 500 छात्राएं अध्ययनरत है । वहां की बाल सखा प्रभारी से बातचीत करने पर पता चला कि जब से विद्यालय में बाल सखा कार्यक्रम संचालित हुआ है तब से छात्राओं के आत्मविश्वास में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है बाल सखा प्रभारी द्वारा बताया गया कि कक्षा 10 की छात्रा कु. पूनम शर्मा (काल्पनिक नाम) बोर्ड परीक्षा में उम्मीद से कम प्रतिशत आने पर अत्यधिक निराश थी। उसके व्यवहार में इस कारण से बहुत परिवर्तन आया था । वह बहुत निराश थी और उसने विद्यालय आना भी बंद कर दिया था। बाल सखा प्रभारी ने इस बात का पता लगाने का प्रयास किया कि वह निराश क्यों है और विद्यालय क्यों नही आ रही है । उसके माता पिता से लगातार बातचीत की गई और उसे ऐसे व्यक्तियों के उदाहरण दिए गये जिन्हे बोर्ड परीक्षा में कम अंक प्राप्त किए लेकिन आज वो सफल व्यक्तियों में है। परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करना जीवन का उद्देश्य नहीं होना चाहिए । जीवन का उददेश्य एक अच्छा और सफल नागरिक बनना होना चाहिये द्य लगातार काउंसलिंग के बाद आज वो छात्रा सामान्य हो गई और उसने अपने जीवन का उद्देश्य आर्मी में समिल्लित होना बनाया है । इसी प्रकार छात्राओं को करियर के विभिन्न आयामों के बारे में लगातार बताया जाता है । छात्राएं विभिन्न करियर विकल्प के बारे में जानकारी रख रही है।

आपके विचार में –

1– आपके विद्यालय में छात्र/छात्राओं की बोर्ड/गृह परीक्षा से पूर्व एवम परीक्षाफल आने से पूर्व किस प्रकार काउंसलिंग की जाती है ?

....

....

....

2– विद्यार्थियों को किन किन करियर क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी जाती है ?

....

....

....

रा.बा.इ.का.धौलाखेड़ा मे छात्रो को निर्देशन एवं परामर्श देते हुए

समेकन –एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा संचालित बाल सखा कार्यक्रम (निर्देशन एवं परामर्श) अत्यधिक प्रभावशाली सिद्ध हो रहा हैं । विभिन्न हित धारकों द्वारा प्रकोष्ठ के संचालन के संदर्भ में समय समय पर दिशा निर्देश तैयार कर कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है । इसमें विद्यालय स्तर बार बालसखा प्रभारी ही नही वरन प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक की भूमिका भी महत्वपूर्ण साबित हो रही है । जनपद के मुखिया मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा भी समय–समय विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक को इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निर्देशित किया जा रहा है। जिला स्तर पर समस्त **''मार्गदर्शन एवम परामर्श''** गतिविधियों का संपादन प्राचार्य जिला शिक्षा एवम प्रशिक्षण संस्थान के दिशा निर्देशन में संपादित किया जा रहा है । विद्यालय में स्थापित इस प्रकोष्ठ के अंतर्गत एक करियर कॉर्नर का गठन किया जाना है समय समय पर प्रकाशित विज्ञप्तियों को प्रदर्शित करने के साथ इनके विषय में जानकारी से छात्र छात्राओं को अवगत कराया जाना है ।

विद्यालय स्तर पर बालसखा प्रभारियों का यह दायित्व है कि वे अपने विद्यालय में नियमित रूप से वार्षिक कैलेंडर के अनुसार गतिविधियों का संचालन करें साथ ही प्रार्थना सभा के दौरान किसी भी एक करियर के विषय में विद्यार्थियों को अवश्य जानकारी दे।

थानाध्यक्ष द्वारा एंव अतिथि वक्ता द्वारा छात्रों की काउंसलिंग करते हुए

संदर्भ–

- SCERT बाल सखा कार्यक्रम "दिग्दर्शिका"
- नैनीताल जनपद के विकासखंडों के विभिन्न विद्यालयों के बाल सखा प्रभारी द्वारा प्रदत्त केस स्टडी –

छात्रो के लिए उपयोगी विभिन्न वेबलिंक

www.vpputtarakhand.in dk

All India Institute of Medical Sciences https://aiimsrishikesh.edu.in/

Doon Medical College, Dehradun Uttarakhand https://addonmedical.org/

Government Medical College, Haldwani https://gmchld.org/

Veer Chandra Singh Garhwal Govt. Medical Science & Research Institute, Srinagar, Pauri Garhwal https://vcsgsrinagar.org/

Himalayan Institute of Medical Sciences, Jolly Grant Dehradun, https://srhu.edu.in/himalayan-institute-of-medicalsciences/

Shri Guru Ram Rai Institute & Health Sciences Dehradun https://www.sgrrmc.com

Seema Dental College, Rishikesh, Uttarakhand https://seemadentalcollege.org/index.php/en

For Arts Science Commerce students :-

www.Kunainital.ac.in

www.hnbgu.ac.in

www.doonuniversity.ac.in

www.gbpuat.ac.in
www.sdsuv.ac.in
www.uau.ac.in
www.usvv.ac.in
www.uktech.ac.in

अन्य इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएँ एवं सम्बंधित वेबसाइटः

VITEE: Vellore Institute of Technology Engineering Entrance Examination: www.vit.ac.in
UPSEE: Uttar Pradesh State Engineering Entrance Examination. https://upsee.nic.in/
ISRO: Indian Space Research Organization www.isro.gov.in

For distance education :-

Indira Gandhi National Open University, New Delhi http://ignou.ac.in/
Uttarakhand Open University, Haldwani, Distt. Nainitall, Uttarakhand website: http://uou.ac.in/
Madhya Pradesh Bhoj Open University (MPBOU), Bhopal, M.P. https://mpbou.edu.in/
Jamia Millia Islamia University, Jamia Nagar, New Delhi Central University https://www.jmi.ac.in/cdoe/notifications
Sikkim Manipal University https://smude.edu.in/smude.html
Annamalai University, Annamalai Nagar State University https://annamalaiuniversity.ac.in/index.php

For Students Job Alert –

www.freejobalert.com
www.sarkarijobfind.com